1. **प्रवर्तक का पहला कार्य क्या माना गया है?**
   A. कंपनी का समामेलन करना
   B. व्यवसाय अवसर की पहचान करना
   C. शेयर जारी करना
   D. ऋण लेना (B)

व्याख्या : प्रवर्तक नई वस्तु/सेवा या उत्पादन माध्यम से संबंधित अवसरों की पहचान करता है और उनकी संभाव्यता का विश्लेषण करता है।

2. **तकनीकी संभाव्यता का अर्थ है—**
   A. उत्पाद की कीमत तय करना
   B. उपलब्ध तकनीक और कच्चे माल की जाँच
   C. लाभ बांटना
   D. कर्मचारियों की नियुक्ति (B)

व्याख्या : तकनीकी संभाव्यता में यह देखा जाता है कि आवश्यक तकनीक और कच्चा माल उपलब्ध है या नहीं।

3. **कंपनी के नाम अनुमोदन हेतु कौन-सा फॉर्म भेजा जाता है?**
   A. INC–3
   B. INC–1
   C. MGT–1
   D. AOA–1 (B)

व्याख्या : प्रवर्तक तीन नाम प्राथमिकता क्रम में देकर INC–1 आवेदन रजिस्ट्रार को भेजता है।

4. **संस्थापन प्रलेख के हस्ताक्षरकर्ताओं का चयन क्यों किया जाता है?**
   A. केवल लाभ बाँटने के लिए
   B. उद्देश्य पत्र पर हस्ताक्षर करवाने हेतु
   C. ऋण लेने के लिए
   D. कंपनी बंद करने के लिए (B)

व्याख्या : संस्थापन प्रलेख पर हस्ताक्षर करने वाले सदस्य कंपनी के प्रथम निदेशक भी बन सकते हैं।

5. **प्रवर्तक किन पेशेवरों की नियुक्ति करता है?**
   A. खिलाड़ी
   B. मैकेनिकल इंजीनियर और वकील
   C. चार्टर्ड अकाउंटेंट, बैंकर्स, ऑडिटर्स
   D. राजनेता (C)

व्याख्या : आवश्यक प्रलेख तैयार करने और विवरणियाँ बनाने में सहायता के लिए विशेषज्ञ पेशेवर नियुक्त किए जाते हैं।

6. **कंपनी बनने से पहले प्रवर्तक किसकी श्रेणी में नहीं आता?**
   A. एजेंट
   B. न्यासी
   C. न एजेंट, न ही ट्रस्टी
   D. वकील (C)

व्याख्या : कंपनी समामेलित नहीं होती, इसलिए प्रवर्तक न कंपनी का एजेंट होता है न ट्रस्टी।

7. **गुप्त लाभ मिलने पर कंपनी क्या कर सकती है?**
   A. अनदेखा कर सकती है
   B. समझौता रद्द कर सकती है
   C. प्रवर्तक को पुरस्कार दे सकती है
   D. कर्मचारियों को हटाती है (B)

व्याख्या : गुप्त लाभ मिलने पर कंपनी समझौता रद्द, राशि वसूल और क्षतिपूर्ति का दावा कर सकती है।

8. **प्रवर्तक कंपनी गठन पर किए गए व्यय का क्या दावा कर सकता है?**
   A. पूर्ण कानूनी दावा
   B. आधा दावा
   C. कोई कानूनी दावा नहीं
   D. व्यापार लाभ का दावा (C)

व्याख्या : प्रवर्तक गठन से पूर्व के व्यय का कानूनी दावा नहीं कर सकता, पर कंपनी चाहे तो भुगतान कर सकती है।

9. **पाषर्द सीमा नियम का कौन-सा प्रारूप अंशों द्वारा सीमित कंपनी के लिए है?**
   A. सारणी–बी
   B. सारणी–एफ
   C. सारणी–ए
   D. सारणी–जे (C)

व्याख्या : पाषर्द सीमा नियम में अंशों द्वारा सीमित कंपनी का प्रारूप "सारणी–ए" है।

10. **अंशों द्वारा सीमित कंपनी का पाषर्द अंतर्नियम किस सारणी में है?**
    A. सारणी–एफ
    B. सारणी–एच
    C. सारणी–जे
    D. सारणी–सी (A)

व्याख्या : पाषर्द अंतर्नियम में अंशों द्वारा सीमित कंपनी का प्रारूप "सारणी–एफ" बताया गया है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App